सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 147 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 2 जुलाई, 2022

मूल्य ₹ 3/-

हमेशा ध्यान में रखिये की आपका सफल होने का संकल्प किसी भी और संकल्प से महत्वपूर्ण है।
-अब्राहम लिंकन

शिक्षा के क्षेत्र में यूपी को अग्रणी राज्य... 2 | कमजोर बूथों को फतह करने के... 3 | दो पक्षों में खूनी संघर्ष, एक की... 7

अब महंगाई को लेकर वरुण गांधी ने अपनी सरकार को घेरा, बोले

रोटी, कपड़ा और मकान के बाद इलाज भी हुआ महंगा

» केंद्र की मोदी सरकार से पूछा, कब मिलेगी आम आदमी को राहत

» नए जीएसटी रेट का दिया हवाला, केंद्र सरकार को आत्ममंथन करने की दी सलाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब बढ़ती महंगाई को लेकर भाजपा सांसद वरुण गांधी ने अपनी सरकार पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि रोटी, कपड़ा और मकान के बाद अब अस्पताल में इलाज कराना भी महंगा हो गया है। आखिर महंगाई के बोझ तले दबे आम आदमी को कब राहत मिलेगी? यही नहीं भाजपा सांसद ने केंद्र सरकार को आत्ममंथन करने की सलाह भी दी है।

भाजपा सांसद वरुण गांधी विभिन्न मुद्दों को लेकर लगातार अपनी सरकार पर हमलावर रहे हैं। इस बार उन्होंने महंगाई को लेकर सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने ट्वीट किया, 800 आवश्यक एवं आम उपयोग वाली दवाइयों के दामों में वृद्धि के बाद अब अस्पतालों में इलाज भी महंगा हुआ। उन्होंने लिखा, रोटी महंगी, कपड़ा महंगा, मकान महंगा और अब इलाज महंगा हुआ। स्वास्थ्य और शिक्षा तो बुनियादी आवश्यकता है। महंगाई के बोझ तले दबे आम आदमी को राहत कब मिलेगी? आत्ममंथन की जरूरत है! गौरतलब है कि वरुण गांधी ने 18 जुलाई से लागू हो रहे नए जीएसटी रेट की खबर का हवाला दिया है, जिसमें कहा गया कि 18 जुलाई के बाद जिन चीजों पर महंगाई की तगड़ी मार पड़ने वाली है उनमें पैकेट बंद और लेबल लगा गेहूं का आटा, दुग्ध उत्पाद शामिल हैं। इनके अलावा अलग अलग तरह के पापड़, मूढ़ी या मुरमुरे भी महंगे हो जाएंगे। अस्पतालों में प्राइवेट बेड पर भी जीएसटी लगेगा। वहीं एक दिन पहले रोजगार को लेकर उन्होंने ट्विट किया था कि स्थायी नौकरियों के स्थान पर अस्थायी नौकरियों का चलन, आर्थिक मोर्चे पर हमारी नाकामी की दास्तां है।

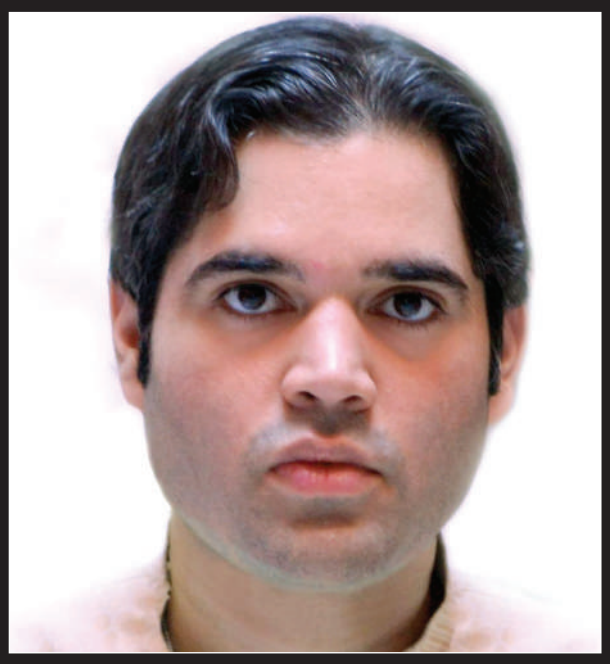

रिक्त पदों के आंकड़े पेश कर पूछा था कहां गया बजट

मई में वरुण गांधी ने बेरोजगारी और खाली पड़े पदों को लेकर सरकार को घेरा था। उन्होंने ट्वीट कर कहा था कि जब बेरोजगारी तीन दशकों के सर्वोच्च स्तर पर है। तब ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं। जहां भर्तियां न होने पर करोड़ों युवा हताश व निराश हैं। वहीं सरकारी आंकड़ों की ही माने तो देश में 60 लाख स्वीकृत पद खाली हैं। वरुण ने कहा कि कहां गया वो बजट जो इन पदों के लिए आवंटित था। ये जानना हर नौजवान का हक है। ट्वीट में वरुण ने इसके साथ ही एक सूची को ट्वीट किया था जिसमें बताया गया था कि किस विभाग में कितने रिक्त पद हैं।

अग्निपथ योजना का भी किया था विरोध

ये पहला मौका नहीं है जब उन्होंने भाजपा सरकार को घेरा है। इससे पहले भी वे कई बार नरेंद्र मोदी सरकार हम हमलावर रहे हैं। सांसद वरुण गांधी घटते रोजगार, निजीकरण, संविदा कर्मियों की व्यथा, शिक्षामित्रों की बदहाली जैसे मुद्दे ट्विटर के माध्यम से लगातार उठाते हुए सरकार की नीतियों को कठघरे में खड़ा करते रहे हैं। पिछले दिनों सरकार की ओर से घोषित अग्निपथ योजना को लेकर सांसद ने कई ट्वीट किए। इनमें उन युवाओं का दर्द बयां किया, जो वर्षों से सेना में पूर्णकालिक भर्ती के लिए तैयारियों में पसीना बहाते रहे।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

शामिल होने हैदराबाद पहुंचे योगी, तय हो सकता है यूपी भाजपा अध्यक्ष का नाम

» पास होंगे कई राजनीतिक प्रस्ताव कल संबोधित करेंगे पीएम मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में आज से शुरू हो रही भाजपा की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंच चुके हैं। इस बैठक में उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का नाम भी तय हो सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद पहुंचे। वहीं डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के साथ ही भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह पहले से ही हैदराबाद में हैं। इस बैठक को विजय संकल्प सभा नाम दिया गया है, जिसको प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को संबोधित करेंगे। इस बैठक में उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का नाम भी तय हो सकता है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा कार्यकारिणी के अन्य सदस्य भी शामिल होंगे। सूत्रों के अनुसार होने वाले लोक सभा चुनाव के लिए भाजपा दक्षिण भारत के मिशन पर फोकस कर रही है।

राहुल का मोदी पर बड़ा हमला, मनरेगा को नहीं समझ पाए प्रधानमंत्री

» यूपीए सरकार की इस योजना ने कोरोना काल में भारत को बचाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वायनाड। केरल यात्रा के दूसरे दिन आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड में मनरेगा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उन्हें संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मनरेगा योजना की गहराई को समझ नहीं पाए।

राहुल गांधी ने कहा कि यूपीए की सरकार ने मनरेगा को संकल्पित, विकसित और लागू किया था। जब इसका पहली बार उल्लेख किया गया था तब काफी प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। नौकरशाहों, व्यवसायियों ने कहा था कि यह पैसे की बर्बादी है। मनरेगा को लेकर राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर भी निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि जब मैंने लोक सभा में प्रधानमंत्री को मनरेगा

के खिलाफ बोलते सुना तो चौंक गया था। उन्होंने इसे यूपीए की विफलताओं का जीवंत स्मारक बताया था। उन्होंने इसे राजकोष पर एक बोझ बताया था। इससे मुझे एहसास हुआ कि प्रधानमंत्री वास्तव में मनरेगा की गहराई को नहीं समझ पाए हैं। राहुल ने कहा कि मैं कोरोना काल के दौरान देख रहा था जब हजारों की संख्या में लोग बेरोज़गार हुए वहीं मनरेगा ने लोगों को बचाया था। पीएम ने उस समय मनरेगा पर कोई सवाल नहीं उठाया क्योंकि यह स्पष्ट हुआ कि जिसे उन्होंने यूपीए की विफलताओं का जीवंत स्मारक बताया था उसी ने भारत को कोविड के समय बचाया।

शिक्षा के क्षेत्र में यूपी को अग्रणी राज्य बनाना होगा : आनंदीबेन

» राज्यपाल बोलीं- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में नैक मूल्यांकन जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में नैक मूल्यांकन (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद) जरूरी है। उत्तर प्रदेश देश का बड़ा राज्य है, इसे शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाना होगा। राज्यपाल ने राजभवन स्थित प्रज्ञाकक्ष में लखनऊ विश्वविद्यालय की नैक तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि विवि की ओर से नैक मूल्यांकन के लिए अपनी एसएसआर सेल्फ स्टडी रिपोर्ट दाखिल की जा चुकी है। शेष प्रक्रिया में टीम द्वारा मूल्यांकन किया जाना है।

राज्यपाल ने विवि की ओर से की गई तैयारियों की नैक मूल्यांकन के सातों मानक की बिंदुवार समीक्षा की। प्रस्तुतीकरण का अवलोकन करते हुए राज्यपाल ने विवि के कार्यों में विद्यार्थियों की प्रतिभागिता बढ़ाने को कहा। राज्यपाल ने कहा कि योग्य विद्यार्थियों को विवि की कार्यवाहक गतिविधियों से जोड़कर उन्हें जिम्मेदारियां संभालना सिखाएं। उन्होंने विवि परिसर में एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) के उत्पादों का प्रदर्शन का स्थल बनाने को भी कहा। विवि में आए अतिथियों के सम्मान में स्थानीय उत्पाद ही भेंट करने की परंपरा सुनिश्चित की जाए। राज्यपाल ने नैक मूल्यांकन के लिए विवि में गठित टीम के सदस्यों के कार्यों की जानकारी लेते हुए टीम में निरंतर नए सदस्यों को जोड़ते रहने को कहा। उन्होंने कहा नैक मानदंडों के अनुसार विश्वविद्यालय में निरंतर सुधार करना एक प्रक्रिया है। बता दें कि दो दिन पूर्व केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के ओपन नेटवर्क फार डिजिटल कामर्स (ओएनडीसी) से योगी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना एक जिला एक उत्पाद में शामिल उत्पाद भी जुड़ गए हैं। ओडीओपी मार्ट डाट काम के यहां आनबोर्ड होने से यह उत्पाद उन सभी ई-कामर्स पोर्टल और एप पर प्रदर्शित होने लगे हैं, जो ओएनडीसी से जुड़े हैं। इसके फलस्वरूप ओडीओपी कारीगरों और उद्यमियों को ई-कामर्स पोर्टल पर एक बड़े डिजिटल मार्केटिंग ईकोसिस्टम की सुविधा मिलेगी। इस प्रक्रिया से प्रदेश के ओडीओपी हस्तशिल्पी एवं कारीगर विशेष रूप से लाभान्वित होंगे। सहगल ने कहा कि कारीगर ओएनडीसी और ओडीओपी मार्ट के माध्यम से अपने उत्पाद अपनी तय कीमत पर खुद आनलाइन बेच सकेंगे।

अदालतों पर अब भी लोगों को भरोसा : आजम खां

» इंसाफ का रास्ता ही बचा सकता है दुनिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 90 मुकदमों में फंसे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां ने कहा कि जब तक देश और दुनिया में न्याय है तब तक देश को कोई नुकसान नहीं पहुंच सकता। अगर देश और दुनिया को कोई बचा सकता है तो न्याय प्रणाली ही बचा सकती है। सपा नेता का यह वीडियो खूब वायरल हुआ, जिसमें कहा है कि इंसाफ का रास्ता ही दुनिया को बचा सकता है। चाहे वह इंसान हो या इंसानियत, तहजीब हो, मजहबी रिश्ते हों।

क्योंकि राजनीतिज्ञों के पास अपने-अपने एजेंडे हैं। उनके पास अपने नफे और नुकसान के मंसूबे हैं। उनका अपना हित है। हो सकता है बुरा भी न हो, क्योंकि सत्ता में आने के लिए कुछ तो करना ही होता है, लेकिन अगर कहीं अन्याय हो रहा है अनर्थ हो रहा है, जिससे देश का नुकसान हो मानवता का नुकसान हो। जहां इंसानियत दम तोड़ दे और छोटे फायदे के लिए बड़ा नुकसान हो जाए। आखिर उन हालात को कौन संभालेगा, कौन रोकेगा उस आराजकता को। कौन रोकेगा ताकतवर का हाथ, जब कमजोर पर उठेगा। आजम खां ने कहा जब सारे रास्ते बंद हो जाते तब सिर्फ एक ओर ही नजर जाती है और वह जाती है देश की न्यायिक व्यवस्था पर। जिला स्तर से लेकर प्रदेश और राष्ट्र स्तर तक जब आदमी इंसाफ नहीं पाता तब अंजाने में कहता है, अच्छा चल मैं तुझे अदालत में देखूंगा। यानी आज भी पुराना भरोसा अदालत पर कायम है।

सदस्यता अभियान शुरू करने की तैयारी में सपा

» तीन हजार सदस्य पार्टी से बाहर, सपा ने बनाई रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन के एक दिन पहले लखनऊ के तीन हजार कार्यकर्ताओं की प्रारंभिक और सक्रिय सदस्यता समाप्त हो गई। पांच साल के लिए बने इन प्रारंभिक और सक्रिय सदस्यों की सदस्यता की मियाद 30 जून को पूरी हो गई थी। ऐसे में ये सभी पार्टी से बाहर हो गए हैं। समाजवादी पार्टी 16 जून से सदस्यता अभियान की शुरुआत करने की तैयारी में थी। मगर आजमगढ़ और रामपुर उपचुनाव के चलते यह अभियान शुरू नहीं हो सका। इस कारण लखनऊ के तीन हजार सदस्यों की सदस्यता समाप्त हो गई है।

माना जा रहा है कि अब नगर व जिला कमेटी को भंग करके नए सिरे से सदस्यता अभियान की शुरुआत होगी। सपा ने जून 2017 में सदस्यता अभियान चलाया था। पार्टी के संविधान के अनुसार पार्टी में पहले प्रारंभिक सदस्यता लेना अनिवार्य होता है। इसके बाद यह प्रारंभिक सदस्य 20 रुपये की पर्ची काटकर 50 नए सदस्यों को अपने साथ जोड़ता है। तब जाकर प्रारंभिक सदस्य को सक्रिय सदस्य बनाया जाता है। तय समय से पहले नगर व जिला कार्यकारिणी को विधानसभा और वार्डवार सदस्यता अभियान चलाकर नए सिरे से सदस्यों को जोड़ना था। इसके लिए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से अनुमति मिलने और सदस्यता पर्ची का इंतजार है। यह प्रारंभिक और सक्रिय सदस्य प्रदेश के बाद राष्ट्रीय कार्यकारिणी के अधिवेशन में हिस्सा भी लेते हैं।

नई शिक्षा नीति लागू करने वाला पहला राज्य बनेगा उत्तराखंड : धामी

» 23 हजार शिक्षण संस्थानों को नशा मुक्त बनाया जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड नई शिक्षा नीति को लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा। उन्होंने यह बात इंडियन पब्लिक स्कूल झाझरा में विद्यालयी शिक्षा विभाग के दो दिवसीय शैक्षिक चिंतन शिविर के शुभारंभ अवसर पर कही। इस दौरान सीएम ने ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को स्कूलों के निरीक्षण के लिए वाहन या फिर मासिक रूप से धनराशि उपलब्ध कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सरकारी स्कूलों में घटती छात्र संख्या पर चिंता जताते हुए कहा कि छात्र संख्या बढ़ाने की चुनौती व गुणात्मक शिक्षा के उपायों पर इस शिविर में गहनता से मंथन किया जाए।

उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या घटने के कारणों व इसको बढ़ाने के लिए गहनता से ध्यान देने की जरूरत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का लक्ष्य विद्यालयी शिक्षा के सभी स्तरों पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हुए श्रेष्ठ मानव का निर्माण करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नौ नवंबर 2025 को उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती मनाएगा। शिक्षा विभाग तब तक बेस्ट प्रैक्टिस के तहत क्या कर सकता है, इस पर आज से ही ध्यान देना होगा। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि शिक्षा के गुणात्मक सुधार के लिए राज्य में यह पहला शैक्षिक चिंतन शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसके बाद प्राचार्यों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को भी इस तरह के शैक्षिक चिंतन शिविर में बुलाया जाएगा। इस तरह के शैक्षिक चिंतन शिविरों के आयोजन से शिक्षा के क्षेत्र में आगे का रोडमैप तैयार होगा। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत 30 छात्रों पर एक टीचर का होना जरूरी है। उत्तराखंड में अभी 15 छात्रों पर एक टीचर है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बनने जा रहा है। नई शिक्षा नीति के तहत 10 जुलाई तक पांच हजार स्कूलों में बालवाटिका शुरू होगी। इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री करेंगे। जिला व ब्लॉक स्तर पर सांसद, विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि इसका शुभारंभ करेंगे। इसके अलावा राज्य में विद्या समीक्षा केन्द्र एक साल में बनकर तैयार हो जाएंगे। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से पांच करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। वहीं 23 हजार शिक्षण संस्थानों को नशा मुक्त बनाया जाएगा।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

यूपी में सड़कों की 23 बड़ी परियोजनाओं पर 'जंगल' का ब्रेक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में सड़कों की 23 बड़ी परियोजनाओं पर 'जंगल' का ब्रेक लग गया है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया को एनओसी न मिल पाने से इन पर काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है। इनमें अप्रैल-2021 से पेंडिंग मामले भी है। एनएचएआई का कहना है कि हर बार फाइल पर कोई नया सवाल लगा दिया जाता है, जिससे परियोजनाओं में विलंब हो रहा है।

पहली बार में ही सभी सवाल एक साथ पूछ लिए जाएं तो फाइल की रफ्तार काफी बढ़ सकती है। बागपत में एनएच-709 ए के मेरठ-शामली-हरियाणा बॉर्डर तक फोर लेन परियोजना के लिए 10 अप्रैल 2021 को फॉरेस्ट क्लीयरेंस के लिए आवेदन किया गया था, लेकिन अभी तक मामला अटका हुआ ही है। बागपत परियोजना इकाई के तहत एनएच-44 और मुजफ्फरनगर बाईपास के काम में भी फिलहाल यही स्थिति बनी हुई है। आगरा में एनएच-530 बी को मथुरा से बरेली के बीच सुधारने के लिए फॉरेस्ट की एनओसी के लिए 5 अगस्त 2021 आवेदन किया गया था। इस पर पहले नवंबर 2021 में क्वेरी लगाई गई। इसी तरह से यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाला आगरा बाईपास प्रोजेक्ट समेत तीन अन्य प्रोजेक्ट फंसे हुए हैं।

कमजोर बूथों को फतह करने के लिए भाजपा ने बनायी हाईटेक रणनीति

सांसदों-विधायकों को मिली है डाटा अपलोड कराने की जिम्मेदारी

» बूथों पर निगरानी के लिए लॉन्च किया गया सरल एप

» देश और प्रदेश स्तर पर की जाएगी मानीटरिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मिशन 2024 के लोक सभा चुनाव में जीत का सिलसिला बरकरार रखने के लिए भाजपा ने हाईटेक प्लान बनाया है। कमजोर बूथों को मजबूत करने के लिए पार्टी ने सरल नाम से एक एप लॉन्च किया है। यह एप कमजोर बूथों पर आगामी लोक सभा चुनाव में पार्टी की जीत की नींव तैयार करेगा। एप पर विभिन्न बिंदुओं पर बूथ के कमजोर होने का डाटा अपलोड किया जा रहा है।

डाटा अपलोड कराने की जिम्मेदारी सांसद और विधायक को सौंपी गई है। एक सांसद को अधिकतम 200 और विधायक को 50 कमजोर बूथ का डाटा अपलोड करने के लिए पार्टी की ओर कहा गया है। ये जनप्रतिनिधि पार्टी कार्यकर्ताओं के जरिए इस कार्य में जुट गए हैं। पार्टी नेतृत्व ने पिछले चार चुनावों (लोक सभा चुनाव: 2014 व 2019 और विधान सभा चुनाव 2017 व 2022) के परिणाम पर कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक के मुताबिक कमजोर बूथों की सूची सांसदों और विधायकों को उपलब्ध करा दी है। उसी आधार पर डाटा अपलोड करने का कार्य किया जा रहा है। डाटा अपलोड होने के बाद पार्टी नेतृत्व संबंधित बूथों के कमजोर होने की वजहों को दूर करने के लिए मार्गदर्शन करेगा। एप पर पूरी जानकारी उपलब्ध रहने से बूथ स्तर की मानीटरिंग प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर भी हो सकेगी। गोरखपुर के भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष धर्मेंद सिंह का कहना है कि पार्टी नेतृत्व के मार्गदर्शन में सरल एप पर कमजोर बूथों का डाटा अपलोड करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हमारे आईटी कार्यकर्ता इस कार्य में सांसदों व विधायकों का सहयोग कर रहे हैं। एक बार जब एप पर डाटा अपलोड हो जाएगा तो बूथों के कमजोर होने की वजह एक प्लेटफार्म पर मौजूद रहेगी। इससे उन्हें मजबूत करने की दिशा में कार्य करना आसान हो जाएगा।

प्रदेश की सभी 80 लोक सभा सीटों पर नजर

लखनऊ। भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की 80 में से 75 लोक सभा सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया था लेकिन लोक सभा उपचुनाव में सपा की गढ़ मानी जाने वाली रामपुर और आजमगढ़ की सीट भी जीतने में सफलता मिली तो भाजपा की नजर पूरी की पूरी 80 सीटों पर जा टिकी। पार्टी के रणनीतिकारों ने अब आपरेशन क्लीन स्वीप पर काम शुरू कर दिया है। जातियों और भावनाओं की बेहतरीन केमिस्ट्री से अपने सियासी फार्मूले सफल करती रही भाजपा के इस बड़े लक्ष्य का गणित मात्र 35000 बूथों पर खास तौर से टिका है। उपचुनाव में आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा सीट जीत चुकी भाजपा को यह भरोसा हो चुका है कि अब कोई विपक्षी किला ऐसा नहीं जिसे रणनीति के तहत ढहाया न जा सके। जरूरत सिर्फ सटीक रणनीति और परिश्रम की है। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी बताते हैं 2019 के लोक सभा चुनाव में सपा-बसपा के गठबंधन को बहुत बड़ी चुनौती माना जा रहा था लेकिन 64 सीटों पर भगवा लहराया था।

एप पर यह रहेगी जानकारी

- बीते चार चुनाव में बूथ पर भाजपा को मिले वोटों की संख्या।
- जाति व धर्मवार मतदाताओं का विवरण।
- क्षेत्र में मनाए जाने वाले प्रमुख त्योहारों की सूची।
- क्षेत्र के प्रभावशाली लोगों की सूची और उनका पार्टी के प्रति रुझान।
- अन्य पार्टियों के नेताओं का ब्यौरा।
- विपक्षी दल के प्रभावी होने का प्रमुख कारण।
- कमजोर बूथ पर भाजपा के खराब प्रदर्शन की वजह।
- जीतने के लिए भाजपा को क्या करने की जरूरत।
- कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों का ब्यौरा।

24 के चुनाव के लिए मायावती ने तैयार किया जोन प्लान

» बसपा मुखिया ने प्रभारी हटाए, सूबे को छह जोन में बांटा

» अब पार्टी में प्रदेश प्रभारी की व्यवस्था पूरी तरह समाप्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ लोक सभा के उपचुनाव में हार के बाद बसपा प्रमुख मायावती ने 2024 की तैयारी नई सिरे से शुरू कर दी है। 24 की जीत के लिए मायावती ने जोन प्लान बनाया है। लोक सभा चुनाव 2024 की तैयारियों के मद्देनजर बसपा सुप्रीमो मायावती ने पार्टी में प्रदेश प्रभारी की व्यवस्था समाप्त कर दी है। उन्होंने प्रदेश को छह जोन में बांटते हुए तीन-तीन मंडल का एक जोन बनाया है। सभी पर दो-दो कोआर्डिनेटर लगाए गए हैं। प्रदेश प्रभारियों को भी हटाकर अब जोन पर लगाया गया है। दो दिन पहले हुई बैठक में मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों को इस नई व्यवस्था से अवगत कराया।

मायावती ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर सभी मंडल कोआर्डिनेटरों की बैठक ली। पार्टी में पहले विजय प्रताप सिंह, मुनकाद अली एवं राजकुमार गौतम को प्रदेश प्रभारी बनाया गया था। मायावती ने यह व्यवस्था भंग कर दी और प्रदेश को छह जोन में बांट दिया। उन्होंने कहा कि इस नई व्यवस्था के तहत लोक सभा चुनाव की तैयारियों में लग जाना है। जिला और विधान सभा कमेटियां बूथ पर जाकर बसपा के ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाएंगी। जोन कोआर्डिनेटर मॉनीटरिंग के अलावा खुद बूथ स्तर तक काम करेंगे। उन्होंने कहा कि लोक सभा चुनाव में दलित मुस्लिम के साथ यदि सर्व समाज का वोट आया तो बसपा की राह कोई नहीं रोक सकता है। खास तौर से मुस्लिमों को समझाना होगा कि भाजपा को केवल बसपा ही हरा सकती है। मायावती ने आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा उपचुनाव के परिणामों के बाद मंडल के वरिष्ठ नेताओं से 24 को लेकर चर्चा की। लोक सभा के उपचुनाव में बसपा ने रामपुर से कोई प्रत्याशी नहीं खड़ा किया था लेकिन आजमगढ़ से गुड्डू जमाली को मैदान में उतारा था। परिणाम आए तो जमाली तीसरे स्थान पर थे, बीजेपी के दिनेश लाल यादव निरहुआ विजयी रहे, सपा के धर्मेंद्र यादव दूसरे नंबर पर रहे।

अब यह है व्यवस्था

जोन	मंडल	पदाधिकारी लगाए
जोन एक	मेरठ,	सहारनपुर, मुरादाबाद - राजकुमार गौतम, नौशाद अली।
जोन दो	आगरा	अलीगढ़, बरेली - मुनकाद अली, सूरज सिंह।
जोन तीन	कानपुर	झांसी, चित्रकूट - डॉ. विजय प्रताप, बीपी आंबेडकर।
जोन चार	गोरखपुर	बस्ती, देवीपाटन - सुधीर भारती, दिनेश चंद्रा।
जोन पांच	अयोध्या	आजमगढ़, वाराणसी - शमशुद्दीन राइन, मदन राम।
जोन छह	लखनऊ	प्रयागराज, मिर्जापुर - घनश्याम चंद खरवार, अखिलेश आंबेडकर साथ में शमशुद्दीन राइन।

बसपा संगठन में बड़े बदलाव के बीच बैठक में नहीं दिखे सतीश चंद मिश्रा

बहुजन समाज पार्टी की बैठक में बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा नहीं दिखाई दिए। इससे उन पुरानी अटकलों को बल मिला है कि उन्हें पार्टी अब हाशिए पर खिसका चुकी है। इस अहम बैठक में सतीश चंद्र मिश्रा शामिल नहीं हुए। लोक सभा उपचुनाव के लिए जिन 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की गई थी, उनमें भी उनका नाम नहीं था। उस समय भी यह बात उठी थी कि यूपी विधानसभा चुनाव के समय पूरे परिवार के साथ बसपा का प्रचार करने उतरे सतीश चंद्र मिश्रा को लिस्ट में शामिल क्यों नहीं किया गया।

पार्टी के अहम फैसलों से दूर सतीश मिश्रा

चर्चा है कि यूपी विधान सभा चुनाव में बसपा के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पार्टी ने अपनी मूल विचारधारा की ओर लौट रही है। इसी बीच सतीश चंद्र मिश्र के सबसे करीबी पूर्व मंत्री नकुल दुबे को पार्टी से बाहर कर दिया गया। उसके बाद नकुल कांग्रेस में चले गए हैं। कहा जा रहा है कि बिना सतीश चंद्र मिश्रा से सलाह लिए वह कांग्रेस में नहीं गए होंगे। उस समय यह भी अटकलें थीं कि मिश्रा खुद कांग्रेस में जा सकते हैं। बहरहाल, सतीश चंद्र मिश्रा क्या करेंगे यह तो भविष्य ही बताएगा लेकिन बसपा की इस बैठक के बाद यह बात पुख्ता हो गई है सतीश चंद्र मिश्रा पार्टी के अहम फैसलों से दूर रखे जा रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मानसून और जल संरक्षण की जरूरत

यूपी में मानसून ने दस्तक दे दी है। मौसम विभाग ने इस बार सामान्य से अधिक वर्षा का अनुमान जताया है। जाहिर है इस बार भी वर्षा जल की कमी नहीं होगी। ऐसे में भू-गर्भ जल के अंधाधुंध दोहन से उत्पन्न संकट से उबरने के लिए सरकार को जल संरक्षण की नीतियों को जमीन पर उतारने पर गंभीरता से सोचना होगा अन्यथा आने वाले दिनों में प्रदेश को जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

यूपी में मानसून ने दस्तक दे दी है। मौसम विभाग ने इस बार सामान्य से अधिक वर्षा का अनुमान जताया है। जाहिर है इस बार भी वर्षा जल की कमी नहीं होगी। ऐसे में भू-गर्भ जल के अंधाधुंध दोहन से उत्पन्न संकट से उबरने के लिए सरकार को जल संरक्षण की नीतियों को जमीन पर उतारने पर गंभीरता से सोचना होगा अन्यथा आने वाले दिनों में प्रदेश को जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। सवाल यह है कि पानी की किल्लत के बावजूद जल संरक्षण के लिए सरकार ठोस प्रयास क्यों नहीं कर रही है? वर्षा जल संरक्षण के आदेश कागजों पर क्यों सिमट गए हैं? भूमिगत जल के अंधाधुंध दोहन पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है? क्या जन सहयोग के बिना वर्षा जल संरक्षण के अभियान को सफलता मिल सकती है? क्या परंपरागत जल स्रोतों की संख्या को बढ़ाए बिना वर्षा जल को संचित किया जा सकता है? सरकारी बिल्डिंगों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से क्यों नहीं बनाए जा सके हैं?

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत तमाम जिलों में पानी का संकट गहराता जा रहा है। भू-गर्भ जल के अंधाधुंध दोहन से इसका स्तर साल-दर-साल घटता जा रहा है। मेरठ में सबसे तेजी से जलस्तर में गिरावट दर्ज की गयी है। लखनऊ में भी हाल कोई बहुत अच्छा नहीं है। प्रदेश के कई जिले डार्क जोन की कगार पर पहुंच चुके हैं। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, पोखर, तालाब और कुंओं की संख्या कम होने से भू-गर्भ जल रिचार्ज नहीं हो पाता है। पेड़ जहां बारिश के पानी को अपनी जड़ों के जरिए भूमि के नीचे पहुंचाते हैं वहीं प्राकृतिक जलस्रोत वर्षा जल का संचय कर भूमिगत जल स्तर को बनाए रखते हैं लेकिन अधिकांश पोखर और तालाबों को पाटकर खत्म कर दिया गया है। उस पर कंक्रीट की इमारतें खड़ी कर दी गईं हैं। इसके कारण भूमिगत जल रिचार्ज नहीं हो पा रहा है। वहीं शहरों में हर दिन लाखों लीटर पानी मोटर वाहनों को धोने आदि में बर्बाद कर दिया जाता है। अच्छी कीमत मिलने के कारण धान की फसल का रकबा भी बढ़ता जा रहा है। इसकी सिंचाई के लिए अधिक पानी की जरूरत होती है और इसकी पूर्ति भूमिगत जल से की जाती है। शहरों में अधिकांश घरों में पंप द्वारा भूमिगत जल का दोहन हो रहा है। जाहिर है प्रदेश में हालात लगातार बदतर होते जा रहे हैं। यदि सरकार भूमिगत जल संरक्षण को हकीकत में जमीन पर उतारना चाहती है तो वह न केवल जंगलों का दायरा बढ़ना होगा बल्कि पोखर और तालाबों की सख्या में इजाफा करना होगा। शहरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य करना और पंप के जरिए भूमिगत जल के दोहन पर कड़ाई से रोक लगाना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी

प्रह्लाद सबनानी

15 जून 2022 को, स्विटजरलैंड स्थित प्रबंधन विकास संस्थान (इंस्टीट्यूट फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट) द्वारा विश्व प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक जारी किया गया है। इस सूचकांक में भारत ने, एशिया के सभी देशों के बीच, सबसे लंबी छलांग लगाते हुए पिछले वर्ष के 43वें स्थान से इस वर्ष 37वां स्थान प्राप्त किया है। इसे आर्थिक क्षेत्र में किए जा रहे कई महत्वपूर्ण सुधार कार्यक्रमों के चलते संभव माना जा रहा है। वर्ष 1989 से ही प्रबंधन विकास संस्थान, स्विट्जरलैंड अपने वार्षिक प्रतिवेदन में विश्व के देशों की प्रतिस्पर्धात्मकता की स्थिति को दर्शाता आ रहा है।

इस सूची में शामिल देश, लम्बी अवधि के लिए अपनी उपयोगिता के निर्माण हेतु किस प्रकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने आप को प्रतिस्पर्धी बनाने में सक्षम रहते हैं, इसका आकलन इस प्रतिवेदन में दर्शाया जाता है और यह आकलन चार तत्वों देश में आर्थिक विकास की स्थिति, देश की शासकीय कुशलता, व्यवसायिक कुशलता एवं देश में अधोसंरचना के विकास की स्थिति से किया जाता है। उक्त चार तत्वों के अंतर्गत कई उपकारक भी शामिल किए जाते हैं एवं इन उपकारकों की कसौटी पर भी प्रत्येक देश की स्थिति का आकलन किया जाता है। 2022 में प्रबंधन विकास संस्थान, स्विट्जरलैंड द्वारा विश्व के कुल 63 देशों का आकलन, उक्त तत्वों के आधार पर किया गया है। डेनमार्क ने अपनी स्थिति में सुधार करते हुए वर्ष 2021 में प्राप्त किए गए तीसरे स्थान से वर्ष 2022 में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। द्वितीय स्थान पर स्विट्जरलैंड एवं तृतीय स्थान पर सिंगापुर रहा है। एशियाई देशों में से जो देश इस सूची में अपना स्थान प्राप्त कर सके हैं वे हैं, सिंगापुर (3), हांगकांग (5), ताईवान (7), चीन (17) एवं आस्ट्रेलिया (19)। चार तत्वों के आधार पर भारत के निष्पादन में वर्ष 2022 में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। आर्थिक विकास के क्षेत्र में भारत ने अपनी स्थिति को मजबूत करते हुए वर्ष 2021 में 37वें स्थान से वर्ष 2022 में 28वां स्थान प्राप्त किया है। भारत ने शासकीय कुशलता की स्थिति में भी सुधार करते हुए वर्ष 2021 में 46वें स्थान से वर्ष 2022 में 45वां स्थान प्राप्त किया है।

व्यवसायिक कुशलता की स्थिति में सुधार करते हुए वर्ष 2021 में 32वें स्थान से वर्ष 2022 में 23वां स्थान प्राप्त किया है। श्रम बाजार व्यावसायिक दक्षता पैरामीटर और व्यावसायिक कुशलता में एक प्रमुख उप-कारक है

और भारत श्रम बाजार के क्षेत्र में वर्ष 2021 में 15वें स्थान से वर्ष 2022 में 6वें स्थान पर पहुंच गया है। हालांकि, उक्त सूचकांक प्रतिवेदन के अनुसार वर्ष 2022 में अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में भारत की स्थिति में कोई विशेष सुधार नहीं हुआ है अत: भारत का स्थान वर्ष 2021 एवं वर्ष 2022 में 49वें स्थान पर कायम रहा है। विश्व प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक में वर्ष 2022 में भारत की स्थिति में सुधार मुख्य रूप से भारत सरकार द्वारा आर्थिक सुधार कार्यक्रमों के अंतर्गत लिए गए कई निर्णयों के कारण ही सम्भव हो सका है। पूर्व प्रभावी टैक्स, ड्रोन, स्पेस एवं भू-स्थानिक मानचित्रण और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में भारत के पुन: विनियमन ने विश्व प्रतिस्पर्धात्मक सूचकांक में भारत के शानदार प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाई है। वैश्विक स्तर पर फैली कोरोना महामारी के बाद भारत ने व्यापारिक समुदाय का विश्वास बहाल किया है। साथ ही, भारत जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए वैश्विक आंदोलन में आज एक प्रेरक शक्ति भी बन गया है और भारत द्वारा जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में किए जा कार्यों के चलते एवं सीओपी26 शिखर सम्मेलन में वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन गैसों के उत्सर्जन सम्बंधी दिए गए वचन को पूरा करने हेतु विभिन्न स्तरों पर प्रारम्भ किए गए कार्यों के कारण भी भारत सूचकांक में छलांग लगाने में सफल रहा है लेकिन भारत को अभी और अधिक सुधार करने की आवश्यकता है। जैसे- भारत को ऊर्जा सुरक्षा के प्रबंधन में अभी कसावट लाना होगी क्योंकि भारत में हो रहे तेज आर्थिक विकास के चलते ऊर्जा की मांग भी उतनी ही तेजी से बढ़ रही है। देश के युवाओं में कौशल विकास करना एवं उनके लिए रोजगार के अवसर निर्मित करना। अधोसंरचना विकसित करने हेतु पर्याप्त मात्रा में संसाधन जुटाना एवं सरकारी सम्पत्तियों के मौद्रीकरण के कार्य को तेजी से आगे बढ़ाना, आदि। भारत द्वारा आगे आने वाले वर्षों में विश्व प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक में अपनी स्थिति को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से कई उपाय किया जा रहे हैं। मसलन आत्मनिर्भर भारत एवं मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं को प्रारम्भ करना है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना को भी इसी उद्देश्य से लागू किया गया है। इससे देश में निर्मित वस्तुओं के निर्यात में भी वृद्धि दर्ज होगी। तकनीकी विकास हेतु भी भारत में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

सजगता से कुपोषण और भुखमरी रोकना संभव

कृषि मंत्रालय की फसल अनुसंधान इकाई सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीफैट) की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में हर साल करीब 87 लाख टन खाद्यान्न उचित भंडारण और कोल्ड स्टोरेज की मुकम्मल व्यवस्था न होने के कारण खराब हो जाता है, जिसकी कीमत 92 हजार करोड़ आंकी गई है। इसी तरह हर साल 20 हजार करोड़ की सब्जियां और फल बर्बाद हो जाते हैं। सीफैट हर साल फसलों की कटाई के बाद खाद्य पदार्थों पर अपनी रिपोर्ट कृषि मंत्रालय को देता है।

अखिलेश आर्येन्दु

भारतीय संस्कृति में अन्न को देवता कहा गया है। थाली में भोजन छोड़ना अन्न के प्रति अनादर माना गया है, लेकिन देश में करोड़ों टन भोजन रोजाना नालियों और गड्ढों में फेंक दिया जाता है। खाद्यान्न की बर्बादी को रोकने के लिए नारा दिया गया- 'भोजन उतना लो थाली में, जो व्यर्थ न जाए नाली में।' लेकिन इस नारे का असर किसी भी भंडारे, उत्सव और शादी-ब्याह में दिखाई नहीं देता। मतलब साफ है, हम स्वयं को भले ही भारतीय संस्कृति के ध्वजवाहक बताते न थकते हों, लेकिन सच्चाई यह है कि दिनभर हम सांस्कृतिक और शैक्षिक मूल्यों की अवहेलना करने में ही समझदारी समझते हैं। यही वजह है कि देश में भुखमरी, कुपोषण और शोषण की समस्या से आजादी के पचहत्तर साल बाद भी निजात नहीं पा सके हैं।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में पैदा होने वाला 40 प्रतिशत भोजन बेकार चला जाता है। यह मात्रा ब्रिटेन में हर साल उपयोग होने वाले भोजन के बराबर है। देश में हर साल 25.1 करोड़ टन से अधिक खाद्यान्न का उत्पादन होता है। इसके बावजूद भारत में हर चौथा व्यक्ति भूखा या आधे पेट सोता है। कृषि मंत्रालय की फसल अनुसंधान इकाई सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीफैट) की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में हर साल करीब 87 लाख टन खाद्यान्न उचित भंडारण और कोल्ड स्टोरेज की मुकम्मल व्यवस्था न होने के कारण खराब हो जाता है, जिसकी कीमत 92 हजार करोड़ आंकी गई है। इसी तरह हर साल 20 हजार करोड़ की सब्जियां और फल बर्बाद हो जाते हैं। सीफैट हर साल फसलों की कटाई के बाद खाद्य पदार्थों पर अपनी रिपोर्ट कृषि मंत्रालय को देता है। इसकी रिपोर्ट के मुताबिक, हर साल इसमें करीब 20 से 22 फीसदी तक फल और सब्जियां कोल्ड स्टोरेज और प्रसंस्करण के अभाव में खराब हो जाते हैं यानी हर साल करीब 20 हजार करोड़ रुपये की फल-सब्जियां बर्बाद हो जाती हैं। फीसैड के अनुसार, यदि फलों और सब्जियों को बर्बाद होने से रोकना है तो कोल्ड स्टोरेज की संख्या को दुगना करना होगा। हालांकि अभी देश में 6500 से ज्यादा कोल्ड स्टोरेज हैं, जिनकी भंडारण क्षमता 3.1 करोड़ टन है। गौर करने वाली बात यह भी है कि सब्जियों में हर साल टमाटर, प्याज अलग-अलग कारणों से बाजार में पहुंचने के पहले ही बर्बाद हो जाते हैं। सीफैट की रिपोर्ट कहती है कि देशभर में हर साल कोल्ड स्टोरेज के अभाव में 10 लाख टन प्याज बाजार नहीं पहुंच पाता है। इसी तरह 22 लाख टन टमाटर भी अलग-अलग कारणों से बाजार नहीं पहुंच पाते हैं। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि देश में हर साल कितने बड़े पैमाने पर खाद्यान्न, फल और सब्जियां बर्बाद हो जाते हैं। निस्संदेह, समस्या के समाधान के लिए राज्य सरकारों ने अभी तक जितनी पहल की है जब तक उन्हें अमलीजामा नहीं पहनाया जाएगा तब तक खाद्यान्न, फल और सब्जियों की बर्बादी नहीं रोकी जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के जरिए जारी फूड वेस्टेज इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार बीते सालों में दुनियाभर में अनुमानित 93.10 करोड़ टन खाना बर्बाद हो गया, जो वैश्विक स्तर पर कुल खाने का 17 फीसदी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय घरों में हर साल करीब 6.87 करोड़ टन खाना बर्बाद हो जाता है। आंकड़े के अनुसार, 93.10 करोड़ टन बर्बाद खाने में से 61 फीसदी हिस्सा घरों से 26 फीसदी खाद्य सेवाओं और 13 फीसदी खुदरा जगहों से आता है। यह तब है जब शादियों व समारोहों में फिजूलखर्ची पर रोक लगाने के लिए 2006 से अधिनियम लागू है। कृषि उत्पादों के रखरखाव और विपणन में सुधार करना होगा। मिसाल के तौर पर मध्य प्रदेश में पिछले दो साल में 100 लाख टन गेहूं, 4 लाख टन धान और एक लाख टन मूंग और उड़द का भंडारण हुआ। इधर गोदाम वाले ज्यादा मुनाफे के लिए कुछ नए पैंतरे अपनाने लगे हैं। जिस मध्य प्रदेश का गेहूं भारत भर में सबसे महंगा और अच्छे किस्म का माना जाता है, उस प्रदेश की हालत यह है कि लाखों टन गेहूं रखरखाव के अभाव में हर साल खराब हो रहा है। इस बर्बादी को रोकने के लिए महिलाएं काफी हद तक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। यदि वे घर, उत्सव और समारोहों में खाद्यान्न की बर्बादी के खिलाफ आगे आएं तो समस्या का काफी हद तक समाधान किया जा सकता है। सरकारी लापरवाही की वजह से ही खाद्यान्न, फलों और सब्जियों की बर्बादी नहीं हो रही है बल्कि आम आदमी भी अपनी आदतों के चलते इस बर्बादी के प्रति कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इसी तरह आस्था, आदत, हैसियत दिखाने और लापरवाही की वजह से देश में सैकड़ों टन दूध बर्बाद हो जाता है। यह उस देश में होता है जहां दूध के अभाव में लाखों बच्चे कुपोषण और मौत के शिकार हो जाते हैं।

बरसात के दिनों में मेकअप को बनायें लॉन्ग लास्टिक

मेकअप करना महिलाओं के डेली रूटीन का अहम हिस्सा होता है। मेकअप महिलाओं की पर्सनैलिटी निखारने के साथ-साथ उनका आत्मविश्वास बढ़ाने का भी काम करता है। इसीलिए महिलाएं अक्सर घर से बाहर जाते समय मेकअप करना नहीं भूलती हैं। हालांकि मानसून में मेकअप को लम्बे समय तक खराब होने से बचाना काफी चैलेंजिंग टास्क होता है। ऐसे में कुछ टिप्स एंड ट्रिक्स ट्राई करके आप बरसात के दिनों में भी मेकअप को लॉन्ग लास्टिंग बना सकती हैं। दरअसल मानसून में मेकअप अक्सर जल्दी खराब हो जाता है। जिसके चलते ज्यादातर महिलाएं मेकअप करने से बचती नजर आती हैं। तो वहीं कुछ महिलाएं मेकअप को लॉन्ग लास्टिंग बनाने के लिए महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट ट्राई करने में जुट जाती हैं। इसीलिए हम आपको बताने जा रहे हैं मानसून में मेकअप करने के कुछ कॉमन टिप्स, जिसे फॉलो करके आप बरसात में भी मेकअप को जस का तस बरकरार रख सकती हैं।

बर्फ का करें इस्तेमाल

बरसात में मेकअप को जल्दी खराब होने से बचाने के लिए आप फेस पर बर्फ अप्लाई कर सकती हैं। मेकअप करने से 5-10 मिनट पहले चेहरे पर बर्फ लगाने से आपका मेकअप लम्बे समय तक टिका रहेगा।

हैवी मेकअप न करें

कुछ महिलाएं मेकअप खराब होने के डर से फेस पर मेकअप की मोटी परत लगा लेती हैं। इससे आपका मेकअप जल्दी खराब हो सकता है। इसलिए मानसून में लाइट मेकअप करना ही बेस्ट रहता है।

ब्लशर और लिप कलर पर दें ध्यान

बारिश के मौसम में क्रीम बेस्ड लाइट ब्लशर का इस्तेमाल करें। इससे आपका ब्लशर लॉन्ग लास्टिंग बना रहेगा। साथ ही बारिश में भीग जाने पर फेस को टिशू पेपर की मदद से थपथपाकर पोंछने से आपका ब्लशर खराब नहीं होगा। इसके अलावा बरसात में क्रीमी या ग्लॉसी लिपस्टिक लगाने से बचें और होंठों पर मैट टोन्स या क्रीम मैट लिप कलर का ही इस्तेमाल करें।

आंखों का मेकअप

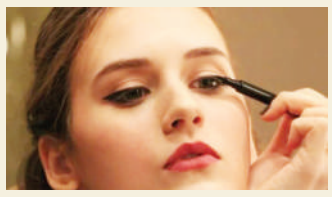

बरसात में भूलकर भी आंखों पर काजल का प्रयोग न करें। इससे आपका सारा मेकअप चुटकियों में खराब हो सकता है। इसके बजाए आप आंखों को सजाने के लिए शीयर और पेस्टल शेड्स के वॉटरप्रूफ आईलाइनर और आईशैडो लगा सकती हैं।

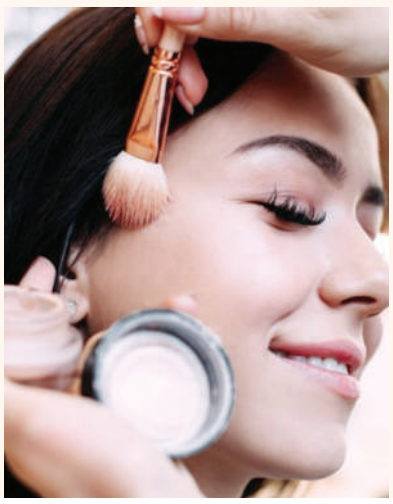

आईब्रो पेंसिल से रहें दूर

मॉनसून में आईब्रोज को हाईलाइट करने के लिए आईब्रो पेंसिल का यूज करने से बचें। ऐसे में आईब्रोज को सेट रखने के लिए हेयर जेल का इस्तेमाल करना बेस्ट रहता है। साथ ही समय-समय पर आईब्रोज की थ्रेडिंग कराना न भूलें।

मेकअप प्रोडक्ट का चुनाव

मानसून में मेकअप करने के लिए वॉटरप्रूफ प्रोडक्ट का ही चुनाव करें। इसके लिए आप मैट कॉम्पैक्ट और कैलामाइन लोशन का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं बरसात में हैवी मॉइश्चराइजिंग क्रीम्स, ऑयली फाउंडेशन्स, क्रीम बेस्ड कलर, फाउंडेशन और फेस पाउडर का इस्तेमाल बिल्कुल न करें।

हंसना मना है

पुलिस- तुमने एक ही दिन में दो बार चोरी क्यों की? चोर- चोरी तो एक ही दिन की, दूसरे दिन तो सूट के कपड़े का कलर बदलने गया था....

दो दोस्त आपस में बात करते हुए...मोटू- दुनिया में सबसे शक्तिशाली कौन है? छोलू- कोरोना वायरस...मोटू- वो कैसे ? छोटू- बिना एग्जाम दिए हमे पास करवा रहा है... इससे बड़ा प्रूफ और क्या होगा....।

बब्लू- यार भालू के बाल इतने बड़े क्यों होते हैं ? डब्लू- तुझे इतना भी नहीं मालूम कि जंगल में ब्यूटी पार्लर नहीं होते हैं...

शौंटी- बेटा तुम क्या करते हो ? गोलू- जी मैं पायलट हूं। शौंटी- किस एयरलाइंस में? गोलू- जी मैं शादियों में कैमरे वाले ड्रोन उड़ाता हूं।

एक अमेरिकी डॉक्टर भारत आया। बस स्टैंड पर एक किताब देखते ही उसे दिल का दौरा पड़ गया। 20 रुपये की इस किताब का नाम था... 30 दिन में डॉक्टर कैसे बनें!

बीवी ने पति का मोबाइल चेक किया और उसकी तरफ घूरते हुए पूछा-ये छगन हलवाई क्यों पूछ रहा है, खाना खाया या नहीं?

चिंटू- दुनिया में दो तरह के नेटवर्क ही सबसे तेज हैं..मिंटू - कौन-कौन से? चिंटू- एक ईमेल और दूसरा फीमेल एक मिनट में इधर की बात उधर पहुंचा देती हैं!

कहानी — मूर्ख बातूनी कछुआ

किसी तालाब में कम्बुग्रीव नामक एक कछुआ रहता था। तालाब के किनारे रहने वाले संकट और विकट नामक हंस से उसकी गहरी दोस्ती थी। तालाब के किनारे तीनों हर रोज खूब बातें करते और शाम होने पर अपने-अपने घरों को चल देते। एक वर्ष उस प्रदेश में जरा भी बारिश नहीं हुई। धीरे-धीरे वह तालाब भी सूखने लगा। अब हंसों को कछुए की चिंता होने लगी। जब उन्होंने अपनी चिंता कछुए से कही तो कछुए ने उन्हें चिंता न करने को कहा। उसने हंसों को एक युक्ति बताई। उसने उनसे कहा कि सबसे पहले किसी पानी से लबालब तालाब की खोज करें फिर एक लकड़ी के टुकड़े से लटकाकर उसे उस तालाब में ले चलें। उसकी बात सुनकर हंसों ने कहा कि वह तो ठीक है पर उड़ान के दौरान उसे अपना मुंह बंद रखना होगा। कछुए ने उन्हें भरोसा दिलाया कि वह किसी भी हालत में अपना मुंह नहीं खोलेगा। कछुए ने लकड़ी के टुकड़े को अपने दांत से पकड़ा फिर दोनो हंस उसे लेकर उड़ चले। रास्ते में नगर के लोगों ने जब देखा कि एक कछुआ आकाश में उड़ा जा रहा है तो वे आश्चर्य से चिल्लाने लगे। लोगों को अपनी तरफ चिल्लाते हुए देखकर कछुए से रहा नहीं गया। वह अपना वादा भूल गया। उसने जैसे ही कुछ कहने के लिए अपना मुंह खोला कि आकाश से गिर पड़ा। ऊंचाई बहुत ज्यादा होने के कारण वह चोट झेल नहीं पाया और अपना दम तोड़ दिया।

सीख : बुद्धिमान भी अगर अपनी चंचलता पर काबू नहीं रख पाता है तो परिणाम बुरा होता है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — असुविधा आपकी मानसिक शान्ति को खराब कर सकती है। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। परिवार के सदस्यों से ढंग से पेश आए।

वृषभ — आज का दिन महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी। आज किसी अनजान पर भरोसा ना करें, कोई इसका गलत फायदा उठा सकता है।

मिथुन — आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। अपनी उपयोगिता की ताकत को सकारात्मक सोच और बातचीत के जरिए विकसित करें।

कर्क — आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। आप मानसिक तनाव महसूस कर सकते हैं। नया बिजनेस शुरू करने के लिए दिन अच्छा है, सफलता के नए मार्ग खुलेंगे।

सिंह — दूसरों के सफलता को सराहकर आप उसका लुत्फ ले सकते हैं। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली-भांति जाँच-पड़ताल कर लें।

कन्या — आज कार्यक्षेत्र में कोई नई उपलब्धि मिलने के योग बन रहे हैं। आज कोई भी फैसला लेते समय अपने मन को शांत रखें, आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

तुला — सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। पढ़ाई के वक्त पर घर से ज्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता-पिता के गुस्से का शिकार होना पड़ सकता है।

वृश्चिक — आज किस्मत आपके साथ रहने वाली है। कार्यक्षेत्र में आज कुछ नया करने की कोशिश करेंगे, काम धीरे-धीरे ही सही लेकिन पूरा जरुर हो जायेगा।

धनु — अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। खराब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। दोस्तों से भी दूरी बनाए रखें।

मकर — दिन अच्छा रहेगा। कामकाज में चल रहा तनाव खत्म हो जायेगा। आज आप व्यवस्थित अंदाज और एकाग्रता से काम लें, आपकी समस्याएं समाप्त हो जायेंगी।

कुम्भ — योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। फँसने से सावधान रहें। बच्चे और परिवार दिन का केंद्र-बिंदु रहेंगे।

मीन — आज बिजनेसमैन के लिए दिन अच्छा है, सफलता के नए मार्ग खुलेंगे। अपनी सूझ-बूझ से आप सभी व्यावसायिक समस्याओं को आसानी से सॉल्व कर सकेंगे।

करण जौहर कॉफी के साथ करेंगे हॉलीवुड डेब्यू

बॉलीवुड के कई स्टार्स यहां अपनी अदाकारी दिखाने के बाद हॉलीवुड में भी अपना जलवा दिखा रहे हैं। आलिया भट्ट इन दिनों अपनी हॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन की शूटिंग में बिजी है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आलिया से पहले फिल्ममेकर करण जौहर हॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं, जिसका खुलासा उन्होंने खुद किया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर उन्होंने ये गुड न्यूज फैंस को दी है।

करण जौहर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं, जल्द वह 'कॉफी विद करण' का सीजन 7 लेकर आने वाले हैं, जिसमें वह इंडस्ट्री के पॉपुलर सेलेब्स को इनवाइट कर उनसे कुछ पर्सनल लाइफ के ऐसे सवालों को पूछेंगे, जिससे लोग आजतक अंजान थे। लेकिन करण के लिए इस बार 'कॉफी विद करण' बहुत स्पेशल होने वाला है, क्योंकि इस शो के जरिए ही वह 'हॉलीवुड डेब्यू' करने वाले हैं।' कॉफी विद करण' के होस्ट करण जौहर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह कह रहे हैं, 'मैं खुद को बहुत खुशनसीब महसूस कर रहा हूं, क्योंकि मैं अपना हॉलीवुड डेब्यू करने वाला हूं। आलिया भट्ट, तुम मेरे से जलना मत। यूएसए में मेरे जितने भी फैंस हैं, वह मेरा शो 'कॉफी विद करण 7' पर देख सकते हैं। वह भी एक्स्क्लूसिवली। तो आप सभी से वहां मिलता हूं, टूडल्स। इस मजेदार वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'हॉलीवुड बुला रहा है, वह भी कुछ कॉफी के साथ।' आपको बता दें कि करण जौहर का चैट शो 7 जुलाई से Disney+ Hotstar पर स्ट्रीम होने जा रहा है। यानी बस कुछ दिनों का इंतजार और फिर आप सुकून से कॉफी पीते-पीते कॉफी विद करण में सेलेब्स की गपशप एंजॉय कर सकेंगे।

बॉलीवुड | मसाला

सोनल को मराठी सिनेमा में मिला काम

सोनल चौहान जब भी पुणे जाती हैं तो वहां हमेशा शानदार समय बिताती हैं। एक्ट्रेस ने अपनी पुणे यात्रा के बारे में कहा कि पुणे जिंदादिल, विनम्र लोगों से भरा है जो अच्छे से स्वागत-सत्कार करना जानते हैं। 35 साल की एक्ट्रेस कन्नड़, तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उन्होंने अब मराठी फिल्मों में काम करने की रुचि दिखाई है। सोनल चौहान ने कहा, 'मुझसे मराठी फिल्म निर्माताओं ने कई बार संपर्क किया, लेकिन मैं सही मौके का इंतजार कर रही हूं। मैं हमेशा अलग-अलग भाषाओं में फिल्में करने के लिए तैयार रही हूं और मराठी उनमें से एक है। अगर मुझे जल्द ही सही स्क्रिप्ट मिलती है, तो मैं एक मराठी फिल्म करूंगी।' मैंने कुछ मराठी फिल्में देखी हैं। 'सैराट' मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक है। इसने मुझे वाकई में मराठी सिनेमा में काम करने के लिए प्रेरित किया।' पुणे शहर सोनल के दिल के करीब है, जहां वे खूबसूरत मौसम और साफ नीले आसमान के नीचे शानदार वक्त बिताना पसंद करती हैं। वे बताती हैं, 'अगर आप मुंबई के करीब छुट्टी बिताना चाहते हैं तो पुणे घूमने के लिए एक शानदार जगह है। यहां की जीवनशैली थोड़ी शहरों जैसी है। यहां की जिंदगी थोड़ी ठंडक लिए हुए आरामदायक है। मुंबई से पुणे तक का सफर बेहद खूबसूरत है।' सोनल ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा, 'मेरे जेहन में इस शहर की तब की खूबसूरत यादें हैं, जब मैं अपने दोस्तों के साथ यहां घूमने आई थी। हम मैगी खाने के लिए सड़क किनारे स्टालों पर रुकते थे। यह वाकई सुंदर था।' सोनल ने बॉलीवुड की कुछ गिनी-चुनी फिल्मों में काम किया है।

बॉलीवुड | गपशप

बॉलीवुड | मन की बात

कुछ हिंदी ऐक्टर्स ढंग से अपनी भाषा भी नहीं बोल पाते : सोना

सोना महापात्रा अपने बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। वह मनोरंजन जगत से लेकर राजनैतिक मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखती हैं। अब हाल में ही उन्होंने हिंदी फिल्म ऐक्टर्स पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। वहीं दूसरी ओर सोना ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री की जमकर तारीफ भी की है। उन्होंने कहा कि वे लोग अपनी संस्कृति को खुलकर अपनाते हैं। वहीं कुछ हिंदी ऐक्टर्स ठीक से अपनी भाषा भी नहीं बोल पाते। सोना महापात्रा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि- बॉलीवुड में कई ऐसे ऐक्टर्स है, जो ढंग से हिंदी भी नहीं बोल पाते हैं। यह बहुत शर्म की बात है कि आप हिंदी सिनेमा में काम कर रहे हैं, और अपनी भाषा ही नहीं बोल पा रहे हैं। सोना से जब हिंदी भाषा पर बात करने के लिए कहा गया तो उन्होंने कहा कि मैं एक चीज बताना चाहती हूं कि मैंने केजीएफ और पुष्पा देखी है। उन फिल्मों को देखने के बाद मैं खुशी से कूद रही थी। इससे कई लोगों को दिक्कत भी हो रही थी। इन फिल्मों को देखने के बाद मेरा एक ही रिऐक्शन था, हैट्स ऑफ। उनकी कोशिश, आर्ट डायरेक्शनन, कास्टिंग सब कुछ इतना जबरदस्त था, कि मैं अपने आपको उनकी तारीफ करने से रोक ही नहीं पाई। उन्हें उनकी संस्कृति को गले लगाते देख बहुत अच्छा लगा। सोना की डॉक्यूमेंट्री Shut Up Sona एक जुलाई को ZEE5 पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। उनकी यह शॉर्ट फिल्म बॉलीवुड और म्यूजिक पर फेमिनिन नजरिये को दर्शाएगी हैं। बता दें की सोना महापात्रा बॉलीवुड में प्लेबैक सिंगर के तौर पर काम करने के बजाय लाइव शोज ज्यादा कर रही हैं, जिसे लेकर लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि वह बॉलीवुड छोड़ने वाली है। इस पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि में हर काम अपनी मर्जी से करती हूं। मुझे शो करना अच्छा लगता है, इसका यह मतलब नहीं कि मैं इंडस्ट्री से अलग हो रही हूं।

केले से डरते हैं चूहे, लेकिन चूहिया नहीं, हैरान करने वाली है वजह

घर में कोई भी चीज पड़ी हो अगर चूहे हैं तो वो जरूर खा जाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि एक ऐसा फल है जिससे चूहे डरते हैं? वैज्ञानिकों को एक शोध में पता चला है कि चूहे केले से डरते हैं, हालांकि चूहिया नहीं डरती हैं। इस रिसर्च से पता चला है कि केले की खुशबू से उन्हें तनाव महसूस होता है। मॉन्ट्रियल, क्यूबेक में मैकगिल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने यह रिसर्च किया है। इस रिसर्च में चूहों में स्ट्रेस हार्मोन के बारे में जानकारी मिली है। जब वह गर्भवती या स्तनपान कराने वाली चुहियों के करीब थे तो ऐसा पाया गया। वैज्ञानिकों को शोध से पता चला है कि चुहियों के मूत्र में एन-पेंटाइल एसीटेट नाम का कंपाउंड होता है जिसकी वजह से चूहों में हार्मोनल बदलाव आने लगा था। इस कपाउंड के चलते केले में एक खास खुशबू रहती है। आइए जानते हैं आखिर इसकी क्या वजह है? वैज्ञानिकों के इस शोध को साइंस एडवांसेज में प्रकाशित किया गया है। इस शोध के सीनियर राइटर जेफरी मोगिल ने बताया कि ये हमारे लिए बेहद आश्चर्य करने वाली जानकारी थी, क्योंकि हम इसकी जांच नहीं कर रहे थे। दरअसल यह अचानक हमें पता चला। उन्होंने कहा कि हमने लैब में दूसरे प्रयोग के लिए चुहिया को रखा था। हालांकि हमारे एक छात्र को महसूस हुआ कि चूहों ने अजीबगरीब व्यवहार करना शुरू कर दिया था। वैज्ञानिकों ने आगे जो बातें बताई हैं वो और हैरान करने वाली हैं। शोधकर्ताओं ने अपने पेपर में लिखा है कि वर्जिन नर चूहे अपनी अनुवांशिक फिटनेस को बढ़ाने के लिए शिशु हत्या जैसी आक्रामकता दिखाने के लिए जाने जाते हैं। इन शिकारियों से अपने बच्चों की जान बचाने के लिए गर्भवती और स्तनपान कराने वाली चूहिया अपने शरीर से रासायनिक उत्सर्जन छोड़ती हैं। इससे वह चूहों को अपने आप से दूर रहने का मैसेज देती हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि चूहियों के मूत्र में मौजूद कैमिकल से चूहों में तनाव बढ़ गया। इसके बाद उन्होंने महसूस किया कि अगर यह कैमिकल कहीं और से आए, तो चूहों का व्यवहार कैसा होगा। शोधकर्ताओं ने केले के तेल को रुई में लगाकर चूहों के पिजड़े में रख दिया। इसके बाद उन्होंने देखा कि इसकी खुशबू से चूहों में तनाव बढ़ गया। ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार से मूत्र की वजह से बढ़ा था।

अजब-गजब | यहां मर्दों को करनी पड़ती है महिलाओं से फरियाद

भारत के इन राज्यों में चलता है महिलाओं का राज

भारतीय इतिहास में कई ऐसी महिलाएं हुई, जिनके पराक्रम की चर्चा आज भी की जाती है। हालांकि इसके बावजूद देश में महिलाओं की स्थित अच्छी नहीं है। कई जगहों पर महिलाएं सिर्फ घर का काम करने तक ही सीमित हैं। शादी के बाद महिलाओं की जिंदगी पति के अनुसार चलती है। पति ही महिला के जीवन को कंट्रोल करता है। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि भारत में एक ऐसी जनजाति है जिसमें महिलाओं का ही राज चलता है।

भारत के ज्यादातर इलाकों में मर्दों का ही राज रहता है और पुरुषों के मुताबिक ही महिला अपना जीवन व्यतीत करती है। ससुराल आने के बाद लड़कियों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। लेकिन भारत के दो राज्यों में एक जनजाति रहती है जिनमें महिलाओं का वर्चस्व चलता है। पूर्वोत्तर राज्य मेघालय और असम में ये जनजाति रहती है। आइए जानते हैं इस अनोखी जनजाति के बारे में...।

मेघालय और असम में रहने वाली इस जनजाति का नाम खासी है। इस जनजाति में लड़कों की जगह लड़कियों की इज्जत ज्यादा होती है। इस जनजाति में महिलाओं का राज चलता है और महिलाओं की बात को सबसे अधिक वैल्यू दी जाती है।

भारत के अलावा बाग्लादेश में खासी जनजाति रहती है। इस जनजाति के लोग लड़कों के जन्म पर उत्सव नहीं मनाते हैं और लड़कियों के जन्म पर खुशियां मनाई जाती हैं। इसमें परिवार की मुखिया महिलाएं होती हैं। परिवार में महिला ही आखिरी फैसला लेती हैं। शादी के बाद आमतौर पर लड़कियां अपना सरनेम बदलती हैं, लेकिन खासी जनजाति में शादी के बाद लड़के अपना सरनेम बदलते हैं। बच्चों का नाम मां के सरनेम पर ही रखा जाता है।

आमतौर भारत में शादी के बाद लड़कियों की विदाई होती है, लेकिन इस जनजाति में दूल्हे की विदाई होती है। जन्म के बाद लड़कियों को जानवर के अंगों के साथ खेलना होता है और उसके आभूषण बनाए जाते हैं।

दो पक्षों में खूनी संघर्ष, एक की मौत, चार घायल

» आरोपी फरार, छह के खिलाफ एफआईआर

» बाइक फिसलने को लेकर हुआ था विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनभद्र। जिले के सेहुआ गांव में शुक्रवार की देर रात पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हुआ। धारदार हथियार से हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार घायल हो गए, जिसमें दो की हालत गंभीर है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

प्रभारी निरीक्षक दिनेश प्रकाश पांडेय ने बताया कि राजकुमार, कांति, किरन, शिवकुमार व संतकुमार का विवाद दूसरे पक्ष के बच्चा, मनोज, सनोज, मुन्नी, अम्बिका, रमाशंकर से हो गया। इसकी वजह की दूसरे पक्ष के घर के दामाद अमित कुमार निवासी पिपरी नंबर दो थाना शाहगंज की बाइक राजकुमार के घर के सामने सड़क पर गाय बंधी होने के कारण स्लीप हो गई। इसको लेकर उत्पन्न हुए

विवाद में सभी ने कुल्हाड़ी, राड व लाठी-डंडा लेकर पहले पक्ष के राजकुमार, कांति, किरन व शिवकुमार तथा संतकुमार के ऊपर हमला कर दिया जिससे सभी को गंभीर चोट आयी। कोतवाल ने बताया कि दूसरे पक्ष के लोगों को भी मामूली चोट आयी। इलाज के लिये जिला अस्पताल ले जाने पर राजकुमार को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। शेष कांति, किरन, शिवकुमार व संतकुमार अस्पताल में भर्ती हैं। सुरक्षा के मद्देनजर घटनास्थल पर एक उपनिरीक्षक व दो आरक्षी की ड्यूटी लगायी गयी है। कोतवाल ने बताया कि इस मामले में छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोपियों की तलाश जारी है।

चार बिस्वा जमीन के विवाद में भाई को मारी गोली

बांदा। चार बिस्वा जमीन के विवाद में छोटे ने बड़े भाई को गोली मार दी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी भाग निकला। घायल को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। घटना बबेरू कोतवाली क्षेत्र के भदेहदू गांव की है। किसान रामकृपाल (60) घर के बाहर बैठे थे, तभी छोटा भाई नत्थू प्रसाद आया और अभद्रता करने लगा। इस पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। नत्थू ने तमंचे से फायर कर दिया। गोली रामकृपाल के दाहिने हाथ की हथेली पर लगी। वे जान बचाकर घर के अंदर घुस गए। बचाने पहुंचे रामकृपाल के पुत्र पंचम पर भी फायर कर दिया लेकिन वह बच गया। आरोपी भाग निकला। घायल के पुत्र पंचम ने बताया कि चाचा नत्थू ने अपनी सारी जमीन बेच डाली है। अब पिता के हिस्से की जमीन के लिए आए दिन विवाद करता है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार पाठक ने बताया कि घटना की वजह जमीन का विवाद बताया गया है। रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

अज्ञात वाहन ने बाइक को रौंदा, तीन की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फिरोजाबाद। शिकोहाबाद में आज तड़के नेशनल हाईवे पर एटा चौराहा व प्रतापपुर चौराहा के मध्य ओवरब्रिज पर

» नेशनल हाईवे पर हादसा, दिल्ली जा रहे थे बाइक सवार

अज्ञात वाहन के रौंदने से बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। युवकों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है।

पुलिस ने मृतकों के नाम जयकिशन पुत्र गोरेलाल, नमन पुत्र शिवकुमार निवासीगण बांदा और नरेंद्र निवासी प्रतापगढ़ बताए हैं। तीनों ही युवक बाइक से बांदा से नेशनल हाईवे-2 से दिल्ली जा रहे थे। बाइक एटा चौराहा व प्रतापपुर चौराहा ओवरब्रिज पर पहुंची थी तभी बाइक को अज्ञात वाहन ने रौंद दिया, जिससे तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि अज्ञात वाहन के रौंदने से बाइक सवार तीन युवकों की मौत हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही बाइक सवारों से मिले अभिलेखों के आधार पर परिजनों को सूचना दे दी गई है।

लखनऊ में तेजी से फैल रहा कोरोना, 136 नए मरीज मिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के लखनऊ समेत कई जिलों में कोरोना संक्रमण फिर बढ़ने लगा है। शुक्रवार को लखनऊ में 136 संक्रमित मिले हैं। इनमे 74 पुरुष और 62 महिला रोगी हैं। वहीं 165 लोग स्वस्थ भी हुए हैं।

» अलीगंज में सबसे अधिक 38 हुए संक्रमित

» कोरोना प्रोटोकॉल के पालन की अपील

संक्रमितों में अलीगंज में सबसे अधिक 38 संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा आलमबाग में 31 सरोजनीनगर में तीन, चिनहट में 14, रेडक्रास में छह, सिल्वर जुबली क्षेत्र में नौ, इन्दिरानगर में आठ, टूडियागंज में आठ, एनके रोड में नौ, गोसाईगंज में एक, ऐशबाग में दो व्यक्ति संक्रमित पाए गए। इसके अलावा कांटैक्ट ट्रेसिंग में 31 लोगों की रिपोर्ट पाजिटिव मिली है। यात्रा कर लौटे नौ, सर्दी-जुकाम के लक्षण वाले 22 लोग भी कोरोना की चपेट में आ गए हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना प्रोटोकॉल के पालन की अपील लोगों से की है।

वर्दी पहने फिल्मी गानों पर महिला पुलिसकर्मी के वीडियो वायरल, तीन निलंबित

» ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने पर की गई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरदोई। एक महिला पुलिसकर्मी के कुछ वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसमें महिला पुलिसकर्मी फिल्मी गानों पर वर्दी पहने एक्टिंग करती दिखाई दे रही है। वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस अधिकारियों ने इस पर संज्ञान लिया और महिला कर्मी सहित तीन सिपाहियों को निलंबित कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने इसे ड्यूटी के दौरान लापरवाही का मामला मानते हुए निलंबित किया है। महिला पुलिसकर्मी के एक दो या तीन नहीं बल्कि 8 वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए जिसके बाद महिला पुलिसकर्मी की पहचान वसुधा मिश्रा के तौर पर हुई है।

महिला पुलिसकर्मी वसुधा मिश्रा ने ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतते हुए ये सभी वीडियो बनाए। वसुधा ने ये वीडियो सड़क पर पुरुष पुलिसकर्मियों के साथ, पुलिस की गाड़ी में, हेल्प डेस्क पर बैठे फिल्मी गानों पर बनाए हैं। इन वीडियोज में वसुधा झूमती दिख रही है।

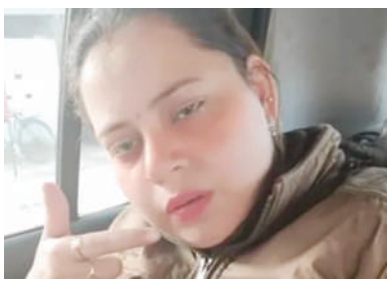

महिला सिपाही एक वीडियो में पुरुष सिपाहियों के साथ सड़क पर हीरो तू मेरा हीरो हैं गाने पर रील बनाती दिख रही है। दूसरे वीडियो में वह पुलिस जीप में बैठकर राज फिल्म के गाने पर रील बना रही है। यह वीडियो सर्दी का है। एक के बाद एक कई वीडियो सामने आने के बाद एसपी ने मामले की जांच की और उसके बाद महिला सिपाही वसुधा मिश्रा व सिपाही धर्मेश कुमार और योगेश कुमार को निलंबित कर दिया। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि हालांकि वीडियो पुराने हैं जो हटाये जा चुके हैं, फिर भी कार्रवाई कर मामले की विभागीय जांच कराई जा रही है।

कमलेश तिवारी की पत्नी को जान से मारने की धमकी, पुलिस बल तैनात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक ओर जहां उदयपुर में नूपुर शर्मा का समर्थन करने पर दहशतगर्दों ने कन्हैयालाल की गला रेतकर हत्या कर दी वहीं, लखनऊ के खुर्शेदबाग में तीन साल पहले 18 अक्टूबर 2019 में मारे गए हिंदूवादी नेता कमलेश तिवारी की पत्नी किरन तिवारी को भी धमकी भरा पत्र मिला है। धमकी भरा पत्र उर्दू में है और कमरे में रखा हुआ मिला।

» धमकी भरा पत्र मिलने के बाद दहशत में परिवार

इंटरनेट मीडिया के माध्यम से धमकी भरे पत्र की जानकारी मिलते ही शुक्रवार की रात एसीपी कैसरबाग योगेश कुमार, इंस्पेक्टर नाका और खुफिया विभाग के अधिकारी उनके घर पहुंचे। इसके बाद किरन के घर की सुरक्षा और अधिक बढ़ा दी गई है। किरन ने बताया कि पत्र 22 जून को मिला था। पत्र उर्दू में था। उसका ट्रांसलेट कराया गया। उसमें लिखा है कि जहां तुम्हारे पति को भेजा गया है वहीं तुम्हे भी पहुंचा देंगे। पत्र के कारण बच्चे और वह सभी डर गए हैं। पत्र की जानकारी उन्होंने किसी को नहीं दी। शुक्रवार की शाम इसकी जानकारी कार्यालय के एक लड़के ने किसी को दे दी। जिससे लोगों को जानकारी हुई।

नूपुर पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पूरे देश को संदेश

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पैगंबर पर विवादित बयान देने के लिए नूपुर शर्मा को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा आपके बयान से देश में अशांति फैली। देश में जो कुछ भी हो रहा है, उसकी जिम्मेदार नुपुर शर्मा ही है। नूपुर टीवी पर आकर देश से माफी मांगे। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह, तुलसीदास भोइटे, समीरात्मज मिश्र, अजय शुक्ला, डॉ. लक्ष्मण यादव और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

समीरात्मज मिश्र ने कहा जो चीज हम सब समझ रहे हैं, सुप्रीम कोर्ट भी वहीं समझ रहा है। फेक अकाउंट व रिट्वीट वाले को दिल्ली पुलिस पकड़ रही मगर नूपुर शर्मा के विवादित बयान

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

से भी उनकी गिरफ्तारी नहीं। तुलसीदास ने कहा, किसी दल का प्रवक्ता होने का ये मतलब नहीं कि आपको कुछ भी बोलने का लाइसेंस मिला है। टीवी के पत्रकारों में टीआरपी के लिए झगड़ना बड़ी बात नहीं पर सीमा नहीं लांघना चाहिए। अगर कोई पत्रकारिता के नाम ऐसा करता है तो उस पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। डॉ. लक्ष्मण यादव ने कहा सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला सुनाया, ऐसा लग रहा बहुत ही अप्रत्याशित है क्योंकि कोर्ट पर लोगों को जो भरोसा था, वह दरकता जा रहा था। जब जरूरत थी न्यायपालिका की, तब वहां खामोश रहीं। मगर इस प्रकरण में शीर्ष अदालत ने सही फैसला सुनाया। सतीश के सिंह ने कहा ये जो पूरा माहौल बना है ना, उसके लिए पूरा देश जिम्मेदार है। उसका निर्माण किया गया, बढ़ावा दिया गया और बहुत सारी चीजें बोली नहीं जा सकती। टीआरपी पहले भी थी, ये बहुत छोटी चीज हैं। वो माहौल बहुत बिगड़ चुका है। देश में अब न चेक है न ही बैलेंस। कोर्ट का ये संदेश सबके लिए है, नूपुर शर्मा के लिए ही नहीं।

अजय शुक्ला ने कहा, क्या सुप्रीम कोर्ट की भूमिका कम है? ये भी सवाल है। अब तक सुप्रीम कोर्ट कहा था, मौन क्यूं साधे था। जब देश में आग लग रही थी तब बोलना चाहिए। महाराष्ट्र मामले में भद्द पिट चुकी तो आप अब दिल्ली पुलिस को डायरेक्शन देते। अब जो सुप्रीम कोर्ट ने कहा, वो सिर्फ अखबारों के लिए सुर्खियां बनेगी।

केशव मौर्य के इशारे पर हमें किया जा रहा परेशान: पल्लवी

» बुक कराए गए सभागारों को भाजपा द्वारा जानबूझकर निरस्त किया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा विधायक पल्लवी पटेल ने आरोप लगाया है कि योगी सरकार व उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के इशारे पर हमें परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने पिता डॉ. सोनेलाल पटेल की जयंती मनाने के लिए बुक कराए गए सभागारों को भाजपा द्वारा जानबूझकर निरस्त कर दिया गया।

सोनेलाल पटेल की जयंती मनाने को लेकर चल रहे विवाद में अपना दल कमेरावादी पार्टी की विधायक पल्लवी पटेल हयात होटल में प्रेस कान्फ्रेंस करते हुए।

उन्होंने सरकार से सवाल किया है कि उनका कुसूर क्या है? एक बेटी को अपने पिता की जयंती मनाने के लिए जगह क्यों नहीं दी गई। आखिर पिता की जयंती के नाम पर भारतीय जनता पार्टी राजनीति पर क्यों उतारू है। क्यों हमें अपने पिता की जयंती मनाने में बाधा डाल रहा। भाजपा की साजिश के वजह से मैं अपने पिता की जयंती अच्छे तरीके से नहीं मना पाई, इसका मुझे बहुत अफसोस है। उन्होंने बताया कि अपना दल (कमेरावादी) की ओर से जयंती पर गोष्ठी कराने के लिए पहले रवींद्रालय बुक कराया था, जिसे निरस्त कर दिया गया। इसके बाद पीडब्ल्यूडी का विश्वैश्वैरया सभागार बुक कराया, उसकी भी बुकिंग रद्द कर दी गई। फिर एलडीए से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हॉल बुक कराया, उसे भी कल निरस्त कर दिया गया। सपा विधायक पल्लवी पटेल ने कहा जब उन्होंने अधिकारियों से बुकिंग निरस्त करने का कारण पूछा तो बताया गया कि उच्च स्तर के निर्देश से बुकिंग निरस्त की गई है।

काशी पहुंचे शिवपाल, सपरिवार लगाई बाबा दरबार में हाजिरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव सपरिवार आज सुबह वाराणसी पहुंचे और बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। काशी विश्वनाथ का दर्शन-पूजन करने के बाद बाबा के नव्य-भव्य-दिव्य धाम का अवलोकन किया। मंदिर प्रशासन की ओर से शिवपाल यादव को अंगवस्त्र, रुद्राक्ष की माला और प्रसाद भेंट किया गया।

प्रसपा प्रमुख के काशी विश्वनाथ धाम आगमन की सूचना पर कई समर्थक भी पहुंच गए। धाम के गेट नंबर चार पर शिवपाल यादव ने समर्थकों से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि प्रसपा प्रमुख निजी दौरे पर वाराणसी पहुंचे हैं। शिवपाल यादव ने काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की। उन्होंने ट्वीट किया कि आज श्रीविश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग का पंचामृत से अभिषेक कर पूजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। बाबा के दर्शन कर चराचर जगत के कल्याण हेतु कामना की।

नेताओं की बंधुआ मजदूर बन गई पुलिस: बृजभूषण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह ने गोंडा पुलिस पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधान के बेटे की मौत के जिम्मेदार यहां के नेता और स्थानीय पुलिस है। पुलिस यहां के नेताओं की बंधुआ मजदूर बन गई है। सांसद ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिन में पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला तो वह जरूरी कदम उठाएंगे।

तांबेपुर गांव में प्रधानपुत्र भोलू सिंह की रविवार को हत्या कर दी गई थी। शुक्रवार को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे कैसरगंज सांसद ने स्थानीय पुलिस पर आरोप लगाया, कहा कि यहां की पुलिस जनप्रतिनिधियों के इशारे पर काम कर रही है। गौरा व मनकापुर में कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित करने का काम जनप्रतिनिधियों की शह पर किया जा रहा है। कहा कि घटना के कुछ दिन पूर्व मृतक भोलू ने अपनी हत्या की आशंका जताई थी लेकिन, पुलिस ने कोई ध्यान नहीं दिया।

उदयपुर की घटना से पहले महाराष्ट्र में हुई थी केमिस्ट की हत्या!

» पुलिस ने शक के आधार पर पांच लोगों को पकड़ा

» नुपुर के समर्थन में बोलने पर गंवानी पड़ी जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उदयपुर की घटना से पहले महाराष्ट्र में एक हत्या हुई थी। अमरावती में जून के आखिरी सप्ताह में रात को दुकान बंद कर घर लौट रहे एक 54 साल के केमिस्ट की हत्या कर दी गई। पुलिस को संदेह है कि केमिस्ट ने नेता नुपुर शर्मा के विवादित बयान का समर्थन किया था और इसलिए ही उसकी हत्या की गई है।

पुलिस का कहना है कि केमिस्ट ने नुपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मैसेजिंग प्लेटफार्म पर पोस्ट शेयर किया था। बता दें कि नुपुर शर्मा के विवादित बयान को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए। साथ ही इसकी

वैश्विक स्तर पर निंदा की गई थी। उमेश प्रहलादराव कोल्हे नाम के केमिस्ट की 21 जून को हत्या कर दी गई थी। इस मामले में अब तक पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अमरावती की पुलिस कमिश्नर डॉ. आरती सिंह ने कहा केमिस्ट की हत्या मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और इसका मुख्य आरोपी इरफान खान फरार है। इरफान एक एनजीओ चलाता है। बताया जाता है कि केमिस्ट रात के 10 बजे के करीब अपनी बाइक से घर लौट रहा था। उसके साथ ही दूसरे वाहन पर पत्नी और 27 वर्षीय बेटा संकेत भी थे। कुछ दूर के बाद ही कुछ बाइकसवारों ने केमिस्ट पर धारदार हथियार से हमला किया और जान ले ली।

व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर किया था पोस्ट

कोल्हे का मेडिकल स्टोर अमरावती में था। उन्होंने नुपुर शर्मा के उस विवादित बयान के समर्थन में एक पोस्ट को व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर किया था और इस ग्रुप के सदस्यों में कुछ मुस्लिम भी हैं। यह जानकारी पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने दी। इसके बाद इरफान ने कोल्हे की हत्या के लिए पांच लोगों को भेजा। इसके लिए इन हत्यारों को इरफान की ओर से 10,000 रुपए दिए जाने का वादा किया गया था। साथ ही घटना के बाद वहां से इन सबको सुरक्षित निकालने का भी इंतजाम किया था।

असीम अरुण को मिली एक और जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग में नियमित अध्यक्ष नियुक्त होने तक तात्कालिक प्रभाव से समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण को आयोग के अध्यक्ष का प्रभार दिया गया है। इस बारे में शासनादेश जारी कर दिया गया है।

असीम अरुण यूपी चुनाव के पहले आईपीएस की नौकरी से त्याग पत्र देकर भाजपा से चुनाव लड़े। उन्होंने कानपुर पुलिस कमिश्नर के पद से सेवानिवृत्ति ली थी। उन्हें समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया था। असीम अरुण का जन्म तीन अक्टूबर 1970 को बदायूं जनपद में हुआ था। उस समय उनके पिता श्रीराम अरुण बदायूं के पुलिस कप्तान थे। इसके बाद वे दो बार प्रदेश के डीजीपी भी रहे। विधायक असीम अरुण 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं।

रात ढाई बजे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण करने पहुंचे अवनीश अवस्थी

» अपर मुख्य सचिव बोले हर हाल में एक सप्ताह में पूरा हो जाए काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के अपर मुख्य सचिव एवं यूपीडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अवनीश अवस्थी आधी रात करीब ढाई बजे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण करने कुदरैल के पास पहुंच गए। इटावा के पास स्थित कुदरैल में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर हाल में काम एक सप्ताह के अंदर समय पूरा कर लिया जाए।

उन्होंने किलोमीटर 291 पर बनने वाले निर्माणाधीन पुल पर काम धीमा होने को लेकर नाराजगी जतायी और दो दिन में इसका लैंटर डालने के निर्देश दिए। उन्हें प्रोजेक्ट हैड उत्तम कुमार ने बताया कि दो

दिन में लैंटर डालकर सात दिन में खोल दिया जाएगा। उन्होंने कार्यदाई संस्था के कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक की और हाईवे के निर्माण में मानक के अनुसार गुणवत्तापूर्ण कार्य समय से पूरा करने के निर्देश दिए। उनका स्वागत जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय व एसएसपी जय प्रकाश सिंह ने किया। निर्माणाधीन बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की प्रगति को लेकर अवनीश अवस्थी का यह तीसरा दौरा है।

फोटो: 4पीएम

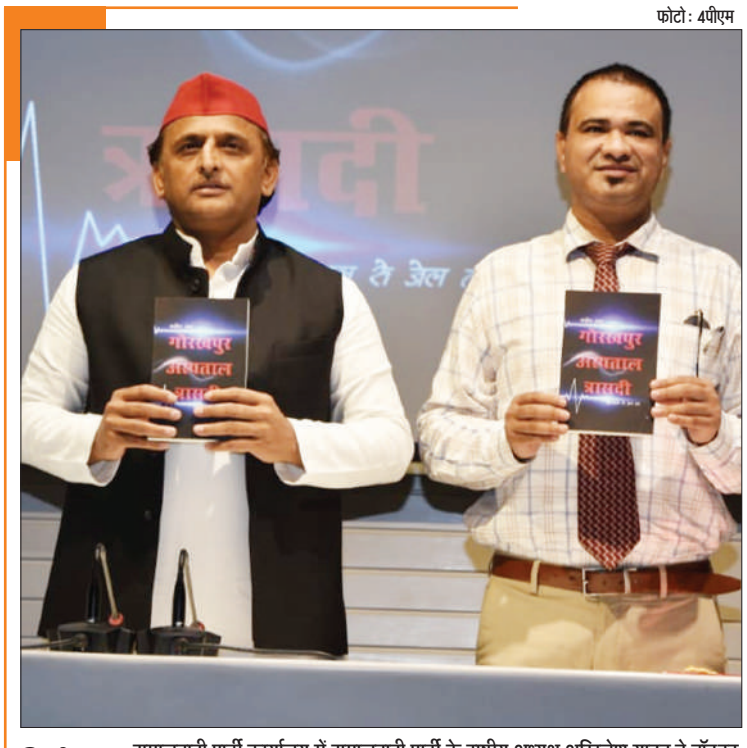

विमोचन समाजवादी पार्टी कार्यालय में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने डॉक्टर कफील खान की पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक के लिए कफील को बधाई दी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।